B.A. II

Date: / /

उत्पादन क्षेत्र →

इसके उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र उत्तर पश्चिमी यूरोप (जहा पर गर्मियां शीतल और तर होती है) उत्तरी पूर्वी सयुक्त राज्य अमेरिका रूस यूक्रेन बेलारूस और कनाडा । ग्रेट ब्रिटेन स्वीडन नार्वे डेनमार्क जर्मनी पोलैण्ड बेल्जियम नीदरलैण्डस चिली अर्जेण्टाइना मे उपयुक्त जलवायु होने से जई की खेती बड़ी पैमाने पर होती | भूमध्यसागरीय जलवायु मे नमी की कमी से जई पैदा नही की जा सकती

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार —

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की दृष्टि से जई का महत्व प्रायः नगण्य है। कुल उत्पादन के लगभग 5% का ही व्यापार होता है आयात करने वाले मुख्य देश ग्रेट ब्रिटेन स्विटजरलैण्ड इटली बेल्जियम नीदरलैण्ड आस्ट्रेलिया और डेनमार्क है। जहां बड़े पैमाने पर पशु पालन किया जाता है मुख्य निर्यातक देश चिली अर्जेण्टाइना रूस यूक्रेन कनाडा और सयुक्त राज्य अमेरिका है।

पेय फसले

चाय

भौगोलिक अवस्थाएं →

तापमान → चाय विशिष्ट रूप से एक मानसूनी पौधा है। जिसके लिए साधारणतया उच्च तापमान (23° से 30° सेण्टीग्रेड) की अवश्यकता होती है। जब आधिकतम तापमान छाया मे 24° सेण्टीग्रेड अथवा औसत तापमान 18° सेण्टीग्रेड से कम हो जाता है तो चाय के पौधे की वृद्धि रुक जाती है। चाय की फसल के लिए धूपदार मौसम उपयुक्त रहता है और पाला हानिप्रद —

Date: / /

वर्षा → चाय का पौधा जल का बड़ा प्रेमी है। अतः 250 से 500 सेण्टीमीटर वर्षा वाले क्षेत्र मे इसकी उपज अच्छी होती है। क्योंकि आर्द्रता के फलस्वरूप पत्तियां प्रचुर मात्रा मे निकलती है।

धरातल → चाय की कृषि के लिए ढालू भूमि की आवश्यकता होती है। इसकी जड़ो मे पानी नही रुकना चाहिए दार्जिलिंग जिले के एक सर्वेक्षण से निष्कर्ष निकाला कि जहाँ सापेक्षिक ऊचाई 75 मी० से 500 मी० है। वहा 50% से ज्यादा चाय के उद्यान है। तथा 75 मी० से कम ऊँचाई ~~75 मी०~~ पर केवल 26%. चाय के उद्यान पाये जाते है। असम मे उत्तम चाय के उद्यान 25 से 125 मी० की ऊँचाई पर पाये जाते है।

दार्जिलिंग कुमायू कांगड़ा तथा दक्षिणी भारत मे चाय की कृषि 1,700 मी० तक की ऊचाई पर की जाती है। ~~खड़ा~~ खड़ा ढाल चाय की उपज के लिए उपयुक्त नही होता है। क्योकि वहां ~~भू~~ भू क्षरण अधिक होता है।

मिट्टी → चाय के लिए हल्की तथा गहरी बलुई मिट्टी जिसमे पोटाश लोहा तथा जीवांश के मात्रा हो सर्वश्रेष्ठ होती है। वन प्रदेशो की मिट्टियाँ अपनी उर्वरा शक्ति के कारण बड़ी महत्वपूर्ण होती है। चाय की मिट्टी मे अम्लीय गुण की आवश्यकता होती है। परन्तु यह कैल्सियम कार्बोनेट से मुक्त होनी चाहिए चाय के लिए अमोनियम सल्फेट हड्डी की खाद तथा हरी खाद का प्रयोग वांछनीय है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया